प्रदेश में एक हज़ार गाँव बनेंगे सोलर ग्राम

चर्चा में क्यों?

22 दसिंबर, 2022 को उत्तराखंड की ऊर्जा सचवि आर. मीनाक्षी सुंदरम ने बताया कि प्रदेश में नई सौर ऊर्जा नीति बिन रही है, जो 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर लागू हो जाएगी। इसके अंतर्गत एक हज़ार गाँवों को सोलर गाँव घोषति किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- ऊर्जा सचवि आर. मीनाक्षी सुंदरम ने बताया कि प्रदेश सरकार राज्य में सूरज की रोशनी से सबसे ज़्यादा समय लबरेज रहने वाले गाँवों में बजिली पैदा करेगी। उत्तराखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी(उरेडा) की टीमें हर ज़िले में ऐसे गाँवों को चिह्नित कर रही हैं, जहाँ सूरज की रोशनी अधिकतम समय रहती है। ऐसे 1000 गाँवों का चिह्निकरण शुरू कर दिया गया है।
- जो भी गाँव सोलर ग्राम घोषति होंगे, वहाँ सोलर प्रोजेक्ट लगाने वालों को सरकार वशिष रियायतें देगी। उन गाँवों में होने वाले बजिली उत्पादन को ग्रिड तक ले जाने के लिये भी खास कार्ययोजना बनाई जाएगी।
- इससे 2000 मेगावाट से अधिक बजिली उत्पादन की राह आसान हो जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/one-thousand-villages-to-be-built-as-a-solar-villages-in-the-state